

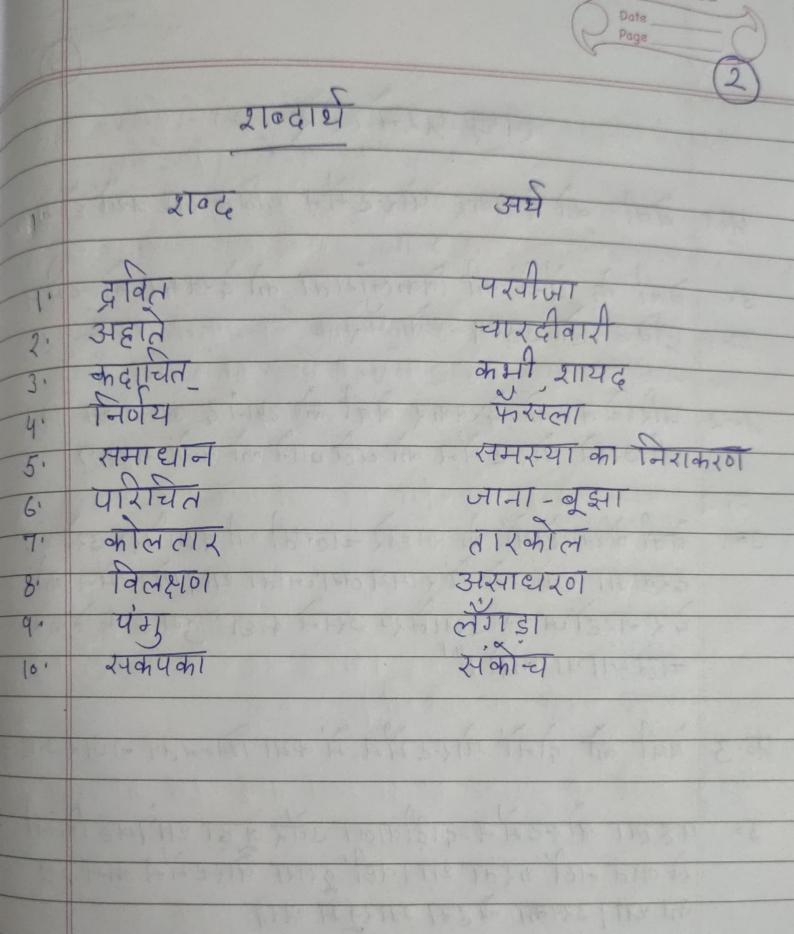
पाठ- २-मंगे पैर

2104 of ul

पोस्टर्मन स्वान 2. 3. द्रवित डावंड 5. रुकात

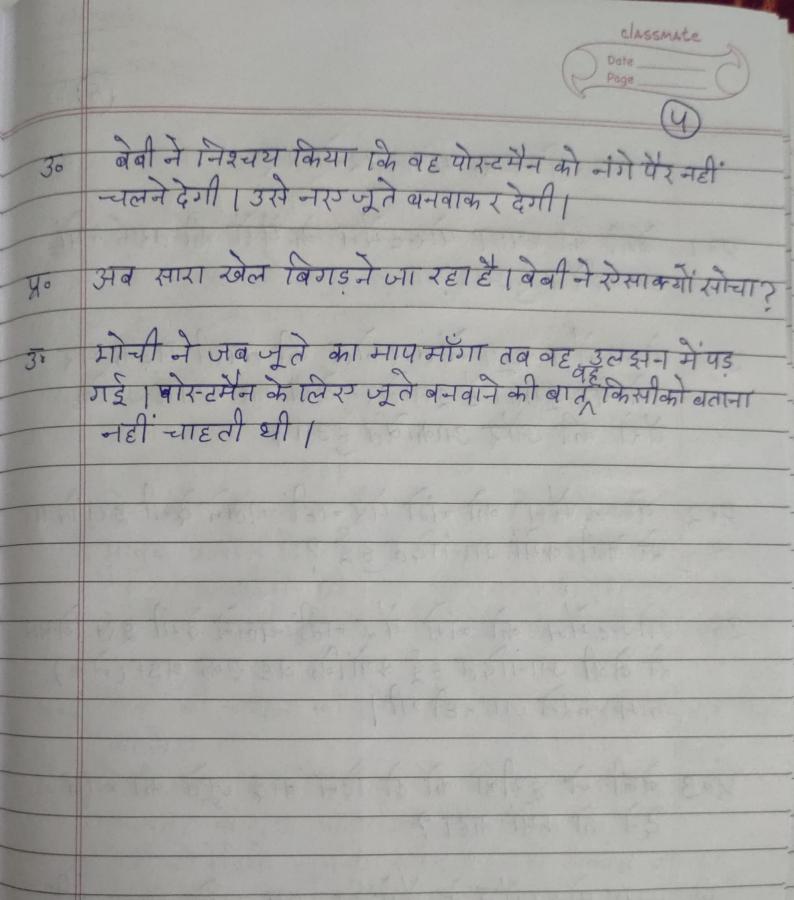
उनहाते कोलतार विलक्षठा 8, 9.

पंगु 10



## लघु प्रमोत्तर

- प्रा बेबी को देखकर पोस्टमेन द्रवित स्ना क्यों हो गया ?
- उ वर्वी के पेरों की विकलांगता को देखकर पोस्टमें ने देखकर पोस्टमें ने
- प्र-२ परिश्चित को देखकर बेबी को उमानंद अगता था फिर भी उसने पोस्टमेंन को चले जाने को क्यों महा?
- उच्चे बेबी बेस्माखियों के स्वहारे चलती थी इस्मालरं उसे बंद दरवाजा खोलने में स्वमयलगजाता था। पोस्टमेंन को देर न हो जारंग इस्मालरंग असने कहा "तुम डाक फेक कर चले जाया करों।"
- प्र० 3 वेबी को दोनों पोर-टमेन में क्या मिन्नता नाज़र आई?
- उ॰ पहला पोस्टमेन दादीवाला और बुढ़ा था। वह किसी में बात नहीं करता था। वहीं दूसरा पास्टमेन कम उम्म का था। उसका चेहरा मासूम था।
- प्रवी ने नंगे पाँव वाले पोस्टमेन को देखकर क्या



## विचारात्मक प्रश्नोत्तर

- प्रग बेबी का ध्यान पोर-टर्मेन के पैरों की तरफ क्यों आवाधित हुआ ?
- उ॰ पोर-टमेन धूप में तारकोल की तपती खड़क पर नंगे पेर धूमता है इसालरू वेबी का ध्यान उसके पेरो की और आकर्षित हुआ।
- प्राच्य पोस्ट मेन को नंगे पर नहीं -यलने देगी इस क्वियार से बेबी क्यों आनंदित हुई?
- उन् पोर-टर्मेन को नंगे पेर नहीं चलने देगी इस विचार से बेबी आनंदित हुई क्यों कि वह एक बड़ा (नेक) काम करने जा रही थी।
- प्र03 बेबी ने हरीबा को दो दिन बाद जूते का नाप देने को क्यों कहा?
- उ० नरु पोस्टमेन के पेरों का माप उसके पास नहीं धा, इसलिए हरीबा मोची को दो दिन बाद बुलाया धा ताकि वह पोस्टमेन के पैरों का माप ठीक से ले सके।

904 बेबी ने पोस्टमेन के जूतों का माप कैसे लिया?

उन पोस्टमेन जब डाक देकर चला गया तब बेबी ने परकार की सहायता से आड़ा, सीधा, टेढा तीनों आकारों से उसके पैरों का माप लिया।

प्र-5 बेबी से उपहार में जूते पाकर पोर-टमेन के मन में क्या विचार आरू होंगे?

उ० पोर-टर्मन के मन में विचार आया होगा कि यह कितनी भावुक व नेक दिल वाली लड़की है जो सबका ख्याल रखती है। इस बच्ची ने मेरे नंगे पैरो को जूते दिस्। इसके पैर होते तो यह भी जूते पहनती। में इसकी पैर कैसे दे सकूँगा।

प्रः वेबी की चरित्र की दो विशेषतार्छ उदाहरण साहित स्पष्ट

उठ 1) बेबी उदार दिल है। पार-टर्मन को जूते बनवाकर उसने मानवता के गुन का परिचय दिया है।

2) बेबी को रेडियो सुनना पसंद है। उसे राकांत अन्दा नहीं लगता। वह सबके साथ हंसना, बोलना चाहती है।